वर्मीकम्पोस्ट खाद की मार्केटिंग

किसी भी व्यवसाय में उत्पादों की मार्केटिंग उतनी ही महत्वपूर्ण होती है जितनी कि उत्पादों का निर्माण। वर्मीकम्पोस्ट खाद के मामले में भी, इसकी मार्केटिंग प्रक्रिया काफी महत्वपूर्ण है। किसान अपने उत्पाद को बाजार में पेश करने के लिए कई तरह की योजनाओं का अवलोकन कर सकते हैं। पहले तो, किसान अपने निकटस्थ नर्सरी वालों और पौधा बिक्रीकर्ताओं से संपर्क करके अपने वर्मीकम्पोस्ट उत्पाद को बेच सकते हैं। इसके लिए वह नर्सरी वालों के साथ साझेदारी भी कर सकते हैं, जिससे उन्हें उत्पादों की अधिक संख्या में बिक्री की सुविधा मिल सके।

दूसरे तरीके में, किसान उन क्षेत्रों के साथ संपर्क कर सकते हैं जहां पर बागवानी फसलों की खेती अधिक होती है। उदाहरण के लिए, हिमाचल प्रदेश और कश्मीर में फलों और सब्जियों की खेती की जाती है, जहां पर वर्मीकम्पोस्ट की मांग अधिक होती है। इसके लिए, किसान उन्हें उत्पाद की पेशकश कर सकते हैं और उनके साथ बाजार की विस्तार से बातचीत कर सकते हैं।

भारत में जैविक कृषि के प्रमुख केंद्रों में से एक असम राज्य है। वहां पर नियमित रूप से किसान मेले आयोजित होते हैं, जहां किसान अपने उत्पादों को पेश कर सकते हैं और अपनी मार्केटिंग की प्रक्रिया शुरू कर सकते हैं। इसके लिए, किसानों को असम के किसान मेलों में शामिल होने का अवसर उपलब्ध होता है, जिससे उन्हें अपने उत्पादों को बाजार में प्रस्तुत करने का मंच मिलता है।

इस प्रकार, वर्मीकम्पोस्ट खाद की मार्केटिंग के लिए किसानों के पास कई विकल्प होते हैं। वे अपनी योजनाओं के अनुसार उचित संवेदनशीलता और संगठन के साथ काम करके अपने उत्पादों को सफलतापूर्वक बाजार में प्रस्तुत कर सकते हैं।

वर्मीकम्पोस्टिंग के पर्यावरण और आर्थिक लाभ दोनों हैं क्योंकि अच्छे कृषि उत्पादन और किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। साथ ही गैर-सरकारी संगठन, समुदाय आधारित संगठन, स्वयं सहायता समूह व और ट्रस्ट इसे बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं। अब वर्मीकम्पोस्टिंग देश में लोकप्रियता हासिल कर रही है। देश में वर्मीकम्पोस्ट का उत्पादन बड़े पैमाने पर होता है।

बाजार में वर्मीकम्पोस्ट की मांग

जैविक और टिकाऊ कृषि पद्धतियों की बढ़ती मांग के कारण पिछले कई सालों में वर्मीकम्पोस्ट बिजनेस में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है। वर्मीकम्पोस्ट निर्यात डेटा का अनुमान है कि दुनियाभर में वर्मीकम्पोस्ट मार्केट 2023 से 2028 तक 15.5 फीसदी की सीएजीआर से विकसित होगा और 234,580 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा। कई कारकों के परिणामस्वरूप वैश्विक बाजार में वर्मीकम्पोस्ट की बहुत ज्यादा मांग है।

आने वाले सालों में वर्मीकम्पोस्ट की मांग बढ़ने की उम्मीद है क्योंकि अधिक से अधिक लोग इसके लाभों के बारे में जागरूक होंगे।

2022-23 के लिए वर्मीकम्पोस्ट आयात और निर्यात डेटा

भारतीय निर्यातक डेटा के अनुसार, 2022-2023 में वर्मीकम्पोस्ट निर्यात का कुल एक बिलियन डॉलर होने का अनुमान लगाया गया था। निर्यात आयात आंकड़ों के अनुसार, एपीडा उत्पादों का कुल निर्यात मूल्य अप्रैल-जून 2022 में बढ़कर 7408 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया था, जो पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि के दौरान 5663 मिलियन अमेरिकी डॉलर था।

भारत से वर्मीकम्पोस्ट निर्यात –

अपने देश में वर्मीकंपोस्टिंग एक्सपोर्ट बिजनेस शुरू करने के लिए आपको अपनी फर्म को रजिस्टर करने, प्रदूषण नियंत्रण से मंजूरी लेने, अपशिष्ट प्रबंधन लाइसेंस लेने व जीएसटी के लिए पंजीकरण और उर्वरक लाइसेंस के लिए आवेदन करना होगा।

इन चरणो का अनुसरण कर सकते हैं-

चरण 1: बाज़ार विश्लेषण

चरण 2: उत्पाद चयन और गुणवत्ता आश्वासन

चरण 3: पैकेजिंग और रेफ्रिजरेशन

चरण 4: दस्तावेज़ीकरण और अनुपालन

चरण 5: वर्मीकम्पोस्ट एक्सपोर्ट-इंपोर्ट डेटा को टेक करें। एक सटीक मार्केट स्टैटिक्स रिपोर्ट के लिए, व्यापारियों के लिए रियल टाइम में भारत इंपोर्ट और एक्सपोर्ट डेटा और बड़े बाजार अनुसंधान फर्मों से आयात और निर्यात डेटा लेना अनिवार्य है।

चरण 6: मार्केटिंग के लिए वर्मीकम्पोस्ट डीलर खोजें

चरण 7: आपूर्ति श्रृंखला और रसद की प्लानिंग करें

वर्मीकम्पोस्ट खाद के लिए बाजार अवसर-

कृषि, बागवानी से संबंधित विभिन्न फसलों की तुलना में वर्मीकम्पोस्ट खाद के उत्पादन में अच्छी बिक्री क्षमता होती है। आस-पास के शहरों और कस्बों में किसान संघ और उपविभाग को सीधी बिक्री की जा सकती है। वहीं कई ऑर्गेनिक प्रोडक्ट वाली कंपनियां भी बड़ी मात्रा में इसको खरीदती हैं। जिन्हें इसके प्राथमिक घटकों में से एक के रूप में वर्मीकम्पोस्ट की जरूरत होती है।

गांवों और दूसरे क्षेत्रों में रहने वाले किसानों के बीच और जैविक रूप से उगाए गए कृषि उत्पादों की लोकप्रियता के कारण शहरी क्षेत्रों में इसका बाज़ार सबसे अच्छा है, जो जैविक रूप से खेती किए गए कृषि उत्पादों को पसंद करते हैं।

केंचुआ खाद को बेचना बहुत मुश्किल काम नहीं है। इसको किसान या पशुपालक को बेच सकते है। बड़े-बड़े फार्म हाउस के साथ ही प्राइवेट और सरकारी बगीचों और पौध नर्सरी में भी वर्मीकंपोस्ट की डिमांड रहती है। फसल की खेती करने वाले किसान वर्मीकंपोस्ट खाद को खरीदते हैं। होटलों को भी जैव कचरा रीसाइकलर के रूप में वर्मीकंपोस्ट बेचे जा सकते हैं.

वर्मीकम्पोस्ट व्यवसाय में लाभ -

आपको वर्मीकम्पोस्ट व्यवसाय से अच्छा मुनाफा हो सकता है। आप आसानी से 30 फीसदी से 70 प्रतिशत तक मुनाफा कमा लेते हैं।